"तुम जियो हजारों साल"

ब्लीस आनन्द के तुम बड़े ताज धारक,
मुबारक मुबारक जन्मदिन मुबारक।

हर एक नीति में सोच दिखती तुम्हारी,
किया लक्ष्य हासिल जो लगता था भारी।
धन्य हैं हम मिला जो तुमसा सुधारक,
मुबारक मुबारक जन्मदिन मुबारक।

कदम दर कदम योजना सब बड़ी थी
सामने चाहे जो भी मुसीबत खड़ी थी
नहीं रोक पाया तुम्हें कोई कारक।
मुबारक मुबारक जन्मदिन मुबारक।

इस "आनन्द" उपवन का हर एक कोना
दुआ हैं मांगता मत जुदा हमसे होना
हम तो लोहे के टुकड़े तुम्हीं मेरे पारस
मुबारक मुबारक जन्मदिन मुबारक।

राम सिंगार